भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4088
बुधवार, 12 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

सुपर अल नीनो का प्रभाव

†4088. श्री बलवंत बसवंत वानखडे:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश की जलवायु पर अनुमानित सुपर अल-नीनो के संभावित प्रभाव का प्रबंधन करने के लिए सरकार द्वारा क्या एहतियाती और तैयारी के उपाय किए गए हैं;

(ख) क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य मंत्रालयों के सहयोग से कार्य कर रहा है कि अल-नीनो के कारण कमजोर मानसून की स्थिति में किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित न हो और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) यदि देश में अल-नीनो के कारण सूखे की गंभीर स्थिति हो तो सरकार की कार्य योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) या मंत्रालय के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा "सुपर अल नीनो" का कोई आधिकारिक वर्गीकरण या परिभाषा नहीं है। अल नीनो की घटनाओं को भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान की (एसएसटी) विसंगतियों के आधार पर कमजोर, मध्यम, मजबूत या बहुत मजबूत के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वर्ष 2026 में दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के दौरान अल नीनो की स्थिति बनने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। जून 2026 के दौरान अल नीनो की स्थिति कमजोर थी और जुलाई 2026 में तेज होकर मध्यम स्तर पर पहुंच गई। अगस्त में इसके मध्यम और सितंबर तक मध्यम से मजबूत श्रेणी में रहने की संभावना है। अक्टूबर-दिसंबर 2026 ऋतु के दौरान अल नीनो के और मजबूत होने की संभावना है और यह बहुत मजबूत श्रेणी में पहुंच सकता है। तथापि, भारतीय क्षेत्र पर इसकी सटीक तीव्रता और प्रभाव - युग्मित महासागर-वायुमंडल की स्थितियों के विकास पर निर्भर करते हैं, जिनमें से अल नीनो एक कारक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) समुद्री और वायुमंडलीय स्थितियों के विकास की लगातार निगरानी करता है और नियमित रूप से ऋतुनिष्ठ और मासिक पूर्वानुमान और एडवाइजरी जारी करता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वर्ष 2026 दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के लिए सामान्य से कम वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा दिनांक 13 अप्रैल 2026 को जारी किए गए अपने प्रथम चरण दीर्घ अवधि पूर्वानुमान में, ऋतुनिष्ठ वर्षा - दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) का 92 प्रतिशत होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया, जिसमें ±5 प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है। इसके पश्चात, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा इसमें संशोधन करते हुए द्वितीय चरण दीर्घ अवधि पूर्वानुमान में, ऋतुनिष्ठ वर्षा - दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया, जिसमें ±4 प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है।

(ख)-(ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग अल नीनो और अन्य जलवायु कारकों के विकास की लगातार निगरानी करता है और केंद्र और राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को नियमित रूप से ऋतुनिष्ठ/मासिक पूर्वानुमान, विस्तारित-अवधि पूर्वानुमान और मौसम एडवाइजरी जारी करता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) दैनिक अंतराल पर मानसून वर्षा, और मासिक अंतराल पर अल नीनो की स्थिति संबंधी नवीनतम जानकारी नियमित रूप से प्रदान करता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) सभी हितधारकों को जिला और ब्लॉक स्तर पर वर्षा जानकारी भी प्रदान करता है। तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों का समर्थन करने के लिए आपदा प्रबंधन अधिकारियों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन और अन्य हितधारकों द्वारा उपयोग के लिए पूर्वानुमान और चेतावनियों को कई संचार चैनलों के माध्यम से साझा किया जाता है। ये चेतावनियाँ गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, उपायुक्तों, जिला मजिस्ट्रेटों, केंद्र सरकार के विभागों और मंत्रालयों और मीडिया सहित विभिन्न हितधारकों को भी प्रसारित की जाती है। इसके अतिरिक्त, आईएमडी नियमित रूप से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएफडब्ल्यू) द्वारा आयोजित बैठक में भाग लेता है, और योजना बनाने और निर्णय लेने में सहायता करने के लिए मौसम संबंधी प्रासंगिक इनपुट प्रदान करता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की फसल मौसम निगरानी के अंतर्गत, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हर सप्ताह पिछली वर्षा संबंधी जानकारी और अगले दो सप्ताह के लिए वर्षा का पूर्वानुमान प्रदान करता है।

*****